

2/12/81



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (H)  
PART II—Section 3—Sub-section (H)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 393] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1981/भाद्र 4, 1903

No. 393] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1981/BHADRA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की  
रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1981

का. आ. 688 (अ)/18-वक्/आई डी आर ए/81 :—भारत सरकार के उद्योग  
मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 694 (अ)/18-  
एफ बी/आई डी आर ए/80, तारीख 28 अगस्त, 1980 (जिसे इसमें इसकी  
पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और

विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषण की थी कि उक्त आदेश को जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रदत्त ऐसी सभी सविबाजों, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आवेशों या अन्य लिखितों का (उनसे भिन्न, जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिनका मसज शिवराज फाइन आर्ट लिथो वर्क्स, नागपुर या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और शायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगी।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-ख की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि 27 अगस्त, 1982 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 7(113)/80-पेपर]

चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 26th August, 1981

S.O. 668(E)/18FB/IDRA/81.—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 694(E)/18FB/IDRA/80 dated the 28th August, 1980, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 27th August, 1982.

[File No. 7(113)/80-paper]

C. K. MODI, Jt. Secy.

